स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय
कृषि अनुसंधान केन्द्र, श्रीगंगानगर – 335001

Phone : 0154 – 2440619, Fax : 0154 – 2440703, web. : www.raubikaner.org Email : arssgnr2003@gmail.com

मौसम आधारित कृषि साप्ताहिकी
(**Agromet Advisory Bulletin No. : 76/2025**)

जिला – श्रीगंगानगर | जारी करने की तिथि : 19.12.2025

गत सप्ताह के मौसम की समीक्षाः पिछले 5 दिनों के दौरान सुबह कोहरा व आसमान में मध्यम बादल छाएं रहे। इस दौरान अधिकतम तापमान 26.0–27.4 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम 10.0–12.0 डिग्री सेल्सियस के मध्य रहा। इस दौरान हल्के गति की हवाये परिवर्तनशील दिशा से चली।	आगामी सप्ताह की मौसम भविष्यवाणीः राज्य मौसम विभाग जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर श्रीगंगानगर में आगामी 5 दिनों के दौरान आसमान में साफ रहने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान 25.0–27.0 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 8.0–10.0 डिग्री सेल्सियस के मध्य रहने की संभावना है। इस दौरान हल्की गति की हवायें दक्षिण–पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है।

दिनांक	19 दिसम्बर	20 दिसम्बर	21 दिसम्बर	22 दिसम्बर	23 दिसम्बर
वर्षा (मि.मी)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (^{o} सेल्सियस)	26	26	27	27	25
न्यूनतम तापमान (^{o} सेल्सियस)	9	10	10	10	8
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	0	0	0	0	0
सापेक्षिक आद्रता (प्रतिशत) अधिकतम	15	15	16	16	16
सापेक्षिक आद्रता (प्रतिशत) न्यूनतम	40	40	45	45	45
हवा की गति (कि.मी./घंटा)	9	11	12	13	13
हवा की दिशा	South-West	South-West	South-West	South-West	South-West

कृषकों के लिए कृषि सलाह (Agro Advisory): गत सप्ताह की मौसम समीक्षा एवं इस सप्ताह में प्रथम चार दिनों के मौसम पूर्वानुमान के आधार पर किसान भाईयों को निम्न सलाह दी जाती है एवं मौसम की दैनिक जानकारी के लिये अपने मोबाइल में **मेघदूत, मौसम और दामिनी ऐप** एवं फसल के लिये **(gram ganganagar, mustard ganganagar, wheat ganganagar, kinnow ganganagar & cotton ganganagar)** प्ले स्टोर से निःशुल्क डाउनलोड करें।

विशेष सलाह : सरसों, गेहूं, आलू, मटर जैसी फसलों को पाले/शीतलहर से बचाने हेतु गंधक के तेजाब (0.1 प्रतिशत) का छिड़काव करने से न केवल पाले से बचाव होता है बल्कि पौधों में लौह तत्व की जैविक एवं रासायनिक सक्रियता बढ जाती है। जो पौधो में रोगरोधिता बढाने में एवं फसल को जल्दी पकाने में सहायक होती है। किन्नों के नये बागों में छोटे पौधे को शीतलहर से बचाव हेतु पॉलीथीन अथवा भूसे से ढक देवें।

फसल	अवस्था	विवरण	कृषि सलाह (Agricultural Advisory)
गेहूँ	जड़ जमाव	सिंचाई	• समय पर बिजाई की गई फसल में प्रथम सिंचाई 25–30 दिन में करे व दूसरी सिंचाई प्रथम सिंचाई के 25–30 दिन बाद (फुटान के समय) देवें।
		खरपतवार नियंत्रण	• गेहूं में चौड़ी पत्ती वाले एवं संकरी पत्ती (गुल्ली डण्डा) वाले खरपतवारों के नियन्त्रण हेतु क्लोडिनाफॉब प्रोपागाईल 15 प्रतिशत डब्ल्यू पी + मेटासल्फयूरॉन मिथाईल 20 डब्ल्यू पी 1 प्रतिशत/ 64 ग्राम सक्रिय तत्व के हिसाब से अथवा 400 ग्राम व्यापारिक उत्पाद प्रति हैक्टेयर, 500–700 लीटर पानी में घोल बनाकर फ्लैट फैन नोजल का प्रयोग करते हुए 30–35 दिनों के बीच में छिड़काव करें।
		जिंक की कमी	• गेहूँ की खड़ी फसल में यदि जिंक की कमी दिखाई देवें तो 0.5 प्रतिशत (1.5 किलो जिंक सल्फेट एवं 750 ग्राम बुझा हुआ चूना 100 से 150 लीटर पानी प्रति बीघा) जिंक सल्फेट के विलयन का एक छिड़काव वानस्पतिक वृद्धि अवस्था पर करें।
सरसों	बढ़वार	सिंचाई	• सरसों की फसल में प्रथम सिंचाई बुवाई के 35–40 दिन बाद बढ़वार के समय करे। सिंचाई के समय यूरिया 18–20 किलो प्रति बीघा की दर से उपयोग करे। प्रथम सिंचाई से पूर्व और पश्चात् में निराई गुड़ाई करें। जहां पर फसल सघनी हो वहां पौधे की छंटनी करे व पौध से पौध की दूरी 15 सेमी. रखे व छंटाई का कार्य फसल सिंचाई से पूर्व करें।
		सफेद रोली रोग	• फसल बुवाई के 50–60 दिन बाद सफेद रोली रोग आने की सम्भावना रहती है अतः किसान भाई खेत का नियमित रूप से निरीक्षण करें तथा रोग के प्रथम लक्षण दिखाई देने पर मेटालेक्सिल 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बना कर फसल पर छिड़काव करें।
चना	बढ़वार	निराई गुड़ाई	• चने की फसल में प्रथम सिंचाई बिजाई के 50–55 दिन बाद (शाखा बनने के समय) पर करें। प्रथम सिंचाई के बाद कसिये से एक बार निराई गुडाई करें।
जौ	बढ़वार	सिंचाई	• समय पर बिजाई की गई फसल में प्रथम सिंचाई 25–30 दिन में करे व दूसरी सिंचाई प्रथम सिंचाई के 25–30 दिन बाद (फुटान के समय) देवें।
		जिंक की कमी	• खड़ी फसल में यदि जिंक की कमी दिखाई देवें तो 0.5 प्रतिशत (1.5 किलो जिंक सल्फेट एवं 750 ग्राम बुझा हुआ चूना 100 से 150 लीटर पानी प्रति बीघा) जिंक सल्फेट के विलयन का एक छिड़काव वानस्पतिक वृद्धि अवस्था पर करें।
गन्ना	पकाव	कटाई	• गन्ने की फसल पककर तैयार हो गयी है। अतः किसान भाई कटाई शुरू करें।
किन्नू	फल	तुड़ाई	• जिन बागों में किन्नों पककर तैयार हो गया हो उसमें पहली तुड़ाई कर लेवें।
		फलों का गिरना	• किन्नू के बागों में रोगों व अन्य कारणों से फल गिरने से रोकने हेतु कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्युपी (बाविस्टिन) 1 ग्राम प्रति लीटर पानी या प्रोपीनेब 70 डब्ल्यूपी (ऐन्ट्राकॉल) 2 ग्राम प्रति लीटर पानी के घोल बनाकर छिड़काव करें। प्रयोग किये जाने वाले घोल में जिब्रेलिक एसिड 20 मिलीग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

सह. आचार्य (शस्य) एवं तकनीकी अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान एवं
नोडल ऑफिसर–ग्रामीण कृषि मौसम सेवा